निर्माण आवास तथा नगरिय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बुरहामपुर के लिये तापती नदी के पानी को जो नेपा मिल, नेपा नगर द्वारा गन्दा किया जा रहा है पीने योग्य बनाने हेतु फिल्टर करने की योजना बारबार अनुरोध करने और सरकार द्वारा आश्वासन दिये जाने के बावजूद अब भी विचाराधीन है;

(ख) क्या यह भी सच है कि नेपा मिल्स ने तीन योजनाओं को प्रारूप तैयार किया है यदि हां, तो उनकी मुख्य बातें क्या हैं ;

(ग) क्या प्रारूप को क्रियान्वित करने के लिये सरकार का कोई कार्यवाही करने का विचार है ; यदि हां, तो उसे कब क्रियान्वित किया जायेगा ; और

(घ) इस कार्य को पूरा करने के लिये मूलत: कितनी धनराशि नियत करने का अनुमान है ; इस सम्बन्ध में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) और (घ) बुरहामपुर नगर में जल वितरण के लिये वृद्धि के लिये ताप्ती नदी के स्त्रोत से मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 1956 में 27.54 लाख रुपये की अनुमानित लागत की एक योजना तैयार की गई थी। नदी का पानी गन्दा होने के कारण इस योजना को क्रियान्वित नहीं किया जा सका। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जल वितरण के वैकल्पि स्त्रोतों की जांच की जा रही है।

(ख) नेपा मिलों से मध्य प्रदेश सरकार को अभी तक कोई योजना नहीं मिली है।

(ग) यह प्रश्न नहीं उठता।

Central Assistance to Deficit States

*747. SHRI HEM BARUA:
SHRI NITNRAJ SINGH CHAUDHARY:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Government propose to help the deficit States with finances; and

(b) if so which are those deficit States and the amount of financial help proposed to be given?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE, (SHRI P. C. SETHI): (a) and (b). The revenue accounts of all State, including those mentioned as deficit State in the draft Fourth Five Year Plan viz. Assam, Jammu and Kashmir Nagaland, Orissa and Rajasthan, have already been considered by the Fifth Finance Commission. In so far as the capital accounts of these deficit States are concerned, the Government of India would be prepared to examine their problems on merits within the resources available.

चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान उद्योग स्थापित करना

*748. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान सरकारी क्षेत्र में कितने नये उद्योग स्थापित करने का विचार है तथा उन पर अनुमानत कितनी पूंजी लगाने का विचार है ;

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्र०चं० सेठी): चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय सरकार के क्षेत्र में सम्मिलित औद्योगिक और खनिज प्रायोजनाओं की विस्तृत सूची चौथी पंचवर्षीय योजना (1969—74) के मसौदे (रिपोर्ट) के पृष्ठ 253—260 पर

दी गयी है। केन्द्रीय सरकार के क्षेत्र के कार्यक्रमों पर 2910 करोड़ रुपया खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा, राज्यों और संघीय क्षेत्रों के कार्यक्रमों के लिये भी योजना में 180 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

बरौनी में तापीय बिजलीघर

*749. **श्री बालेश्वरी चौधरी :**
श्री क० मि० मधुकर :

क्या सिंचाई तथा विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तरी बिहार की जनसंख्या अढ़ाई करोड़ है जो क्षेत्र में पोलैण्ड और युगोस्लाविया के बराबर है, परन्तु केवल एक ही तापीय बिजली घर बरौनी में बनाया गया है तथा इसको एक अलग यूनिट के रूप में रखा गया है और राज्य के अन्य बिजली घरों से इनका कोई संबन्ध नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में अधिक बिजली सप्लाई करने के लिये बनाई गई योजनाओं की रुपरेखा क्या है जिससे इस विशाल क्षेत्र में औद्योगिक तथा कृषि क्रांति को सफल बनाया जा सके ;

(ग) यदि इस क्षेत्र को अतिरिक्त बिजली सप्लाई करने की कोई और योजना नहीं है तो क्या उक्त तापीय बिजलीघर पर्याप्त रहेगा और चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के उपरान्त भी यह क्षेत्र किस सीमा तक पिछड़ा रहेगा ; और

(घ) क्या इस क्षेत्र में पिछड़ेपन के परिणामस्वरुप नक्सलवादियों ने यहां प्रभाव जमा रखा है ?

सिंचाई तथा विद्युत् मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) जी हां। इस समय उत्तर बिहार में बरौनी में एक वृहत ताप विद्युत केन्द्र है। अभी हाल में उत्तर बिहार तथा दक्षिण बिहार के बीच 132 के० वी० पारेषण लिंक पूरा हो गया है और विद्युत केन्द्र दक्षिण बिहार ग्रिड से जोड़ दिया गया है।

(ख) तथा (ग) बरौनी तापविद्युत केन्द्र के विस्तार की एक स्कीम स्वीकृत हो गई है जिसका कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसमें 56-50 मैगावाट की दो उत्पादन यूनिटों का प्रतिष्ठापन सम्मिलित है। प्रथम यूनिट के अगस्त/सितम्बर, 1969 के दौरान और दूसरी यूनिट के मार्च, 1970 के दौरान चालू होने की संभावना है ; तब बरौनी विद्युत केन्द्र की कुल वर्तमान प्रतिष्ठापित क्षमता 15 मैगावाट से बढ़कर 145 मैगावाट हो जायेगी। इसके अलावा, उत्तर बिहार को अतिरिक्त 50 मैगावाट की सप्लाइ 132 के० वी० पारेषण लिंक द्वारा करना संभव हो सकेगा। अतः चौथी योजना अवधि के दौरान उत्तर बिहार की बिजली की मांग को कुछ हद तक पूरा किया जा सकेगा। विद्युत भार के बढ़ जाने पर बिजली में वृद्धि हेतु आगे कार्यवाही की जायेगी।

(घ) इस मंत्रालय में मंत्री द्वारा 21-2-1969 को अतारांकित प्रश्न संख्या 726 के संबन्ध में दिए गये उत्तर की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

Wage Freeze of Central Government Employees

*750. SHRI HIMATSINGKA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have again decided to continue wage freeze on Central Government employees' pay-scales for another year;

(b) if so, the reasons therefor in the light of the continued rise in prices;